

प्रश्न १ निम्नलिखित अंतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :-

१४

- अ) "इस प्रकार कह परशुराम ने फिरा लिया आनन अपना,  
जहाँ मिला था, वही कर्ण का बिखर गया प्यारा सपना ।  
छूकर उनका चरण कर्ण ने अर्ध्र्य अश्रु का दान किया,  
और उन्हें जी - भरकर निहार कर मंद-मंद प्रस्थान किया।"

अथवा

"नेता बन, कर में सूत्र समर का ले तू,  
अनुजों पर छत्र विशाल बाहु का दे तू ।  
संग्राम जीत, कर प्राप्त विजय अति भारी,  
जय मुकुट पहन, फिर भोग सम्पदा सारी।"

- आ ) "जौ लौं सत्य स्वरुप न सूझता ।

तौलौं मनु मनि कंठ बिसारे फिरतु सकह बन बूझत ॥  
अपनी ही मुख मलिन मंद मति देखत दरपन माँह ।  
ता कालिमा भेटिबे कारन पचत पखारत छौँह ॥"

अथवा

"साँवरे गोरे सलोने सुभाय, मनोहरता जिति मैं लियो है।  
बान कमान निसंग कसे, सिर सौहै जटा, मुनिवेश कियो है ॥  
संग लियो बिधुबैनी बधु रति को जेहि रंचक रुप दियो है ।  
पाँयन तो पनही न पयादे हि क्यो चलिहै ? सकुचात हियो है ॥"

प्रश्न २ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

२०

- क) "रश्मिरथी" खण्डकाव्य के जीवन - दर्शन पर प्रकाश डालिए।

अथवा

कुंती की विवशता को अपने शब्दों में लिखिए ।

- ख) बिहारी की भक्तिभावना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न ३ निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :-

१०

च कुंती का मातृत्व

अथवा

परशुराम का श्राप

प कबीर के राम

अथवा

बिहारी का राधा - कृष्ण प्रेम

प्रश्न ४ निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

१. दिनकर का जन्म किस गांव में हुआ ?
२. पांडवों के बड़ेभाई का नाम क्या है ?
३. कौरव - पांडव का वंश बताइए ।
४. काव्य सरगम को किसने प्रकाशित किया ?
५. रहीम का पूरा नाम बताइए ।
६. तुलसीदास की माता का नाम बताइए ।

